R-605

B.A. Sixth Semester Examination, 2019-2020

SANSKRIT LITERATURE

Paper - Only One

काव्य, छन्द एवं अलङ्कार

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 85*

Minimum Marks : 28

खण्ड-अ

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं : **[5×5=25]**

1. किरातार्जुनीयम् महाकाव्य प्रथम सर्ग के आधार पर द्रौपदी-युधिष्ठिर संवाद का वर्णन कीजिए।

अथवा

किरातार्जुनीयम् महाकाव्य के प्रथम सर्ग की कथावस्तु लिखिए।

2. ''भवभूति करुण–रस के सम्राट हैं।'' सोदाहरण सिद्ध कीजिए।

अथवा

'उत्तररामचरितम्' के प्रथम अङ्क की विशेषताएँ लिखिए।

3. पण्डिता क्षमाराव के व्यक्तित्त्व एवं कृतित्त्व पर प्रकाश डालिए।

अथवा

'भारतम्' कविता के आधार पर भारत की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

4. प्रमुख गीतिकाव्यों का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

अथवा

कथा साहित्य की किन्हीं दो रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

5. अनुष्टुप् छन्द का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

अथवा

रूपक अलङ्कार का लक्षण एवं उदाहरण लिखिए।

खण्ड-ब

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं : **[12×5=60]**

6. अधोलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) कृतप्रणामस्य महीं महीभुजे
जितां सपत्नेन निवेदयिष्यतः।
न विव्यथे तस्य मनो न हि प्रियं
प्रवक्तुमिच्छन्ति मृषा हितैषिणः।।

(ii) महौजसो मानधनाः धनार्चिताः
धनुर्भृतः संयति लब्धकीर्तयः।
न संहतास्तस्य न भिन्नवृत्तयः
प्रियाणि वाञ्छन्त्यसुभिः समीहितुम्।।

(iii) व्रजन्ति ते मूढधियः पराभवं
भवन्ति मायाविषु ये न मायिनः।
प्रविश्य हि घ्नन्ति शठास्तथाविधान्
असंवृताङ्गान्निशिता द्वेषवः।।

(iv) द्विषन्निमित्ता यदियं दशा ततः
समूलमुन्मूलयतीव मे मनः।
परैरपर्यासितवीर्यसम्पदा
पराभवोऽप्युत्सव एव मानिनाम्।।

7. अधोलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसङ्ग व्याख्या कीजिए:

(i) विश्वम्भरा भगवती भवतीमसूत
राजा प्रजापतिसमो जनकः पिता ते।
तेषां वधूस्त्वमसि नन्दिनी पार्थिवानां
येषां कुलेषु सविता च गुरुर्वयं च।।

(ii) प्रतनुविरलैः प्रान्तोन्मीलन्मनोहरकुड्मलै—
र्दशनकुसुमैर्मुग्धालोकं शिशुर्दधती मुखम्।
ललितललितैर्ज्योत्स्नाप्रायैरकृत्रिमविभ्रमै—
रकृतमधुरैरङ्गानां मे कुतूहलमङ्गकैः।।

(iii) स्मरसि सुतनु तस्मिन्पर्वते लक्ष्मणेन
प्रतिविहितसपर्यासुस्थयोस्तान्यहानि।
स्मरसि सरसनीरां तत्र गोदावरीं वा
स्मरसि च तदुपान्तेष्वावयोर्वर्तनानि।।

(iv) अद्वैतं सुखदुःखयोरनुगतं सर्वास्ववस्थासु यद्
विश्रामो हृदयस्य यत्र जरसा यस्मिन्नाहार्यो रसः।
कालेनावरणात्ययात्परिणते यत्प्रेमसारे स्थितं
भद्रं तस्य सुमानुषस्य कथमप्येकं हि तत्प्रार्थ्यते।।

8. अधोलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(i) दयिते सखि जीवितेश्वरि, प्रियकान्ते गुणजालशालिनि।
सकृदप्युपगत्य विक्लवं ननु सम्भावय वल्लभं निजम्।।

(ii) कस्मिंश्चिद्विजने देशे सोऽपश्यत्काञ्चिदन्त्यजाम्।
जीर्णाम्बरधरां दीनां कर्शिताङ्गीं मलीमसाम्।।

(iii) मधुरमञ्जरीपिञ्जरी भूतमालाः वसन्ते लसन्तहि सरसा रसालाः
कलापाः ललितकोकिलाकाकलीनाम् निनादय नवीनामये
वाणि! वीणम्।

(iv) राशीभूतविशदहिमधवले क्षीरसागरे सुतरां विमले।
शेषशायितनुलेखाललिता विलसति कनीनिका सन्तुलिता।।

9. संस्कृत महाकाव्य परम्परा में महाकवि कालिदास के अवदान को निरूपित कीजिए।

अथवा

चम्पूकाव्य के उद्‌भव एवं विकास की विस्तृत विवेचना कीजिए।

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो छन्दों का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए:

(i) उपेन्द्रवज्रा

(ii) वसन्ततिलका

(iii) मन्दाक्रान्ता

(iv) शार्दूल विक्रीडितम्

अथवा

अधोलिखित में से किन्हीं दो अलंङ्कारों का लक्षण उदाहरण सहित लिखिए —

(i) श्लेष

(ii) उपमा

(iii) अर्थान्तरन्यास

(iv) विभावना

◆◆◆